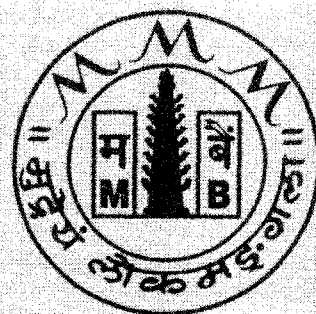
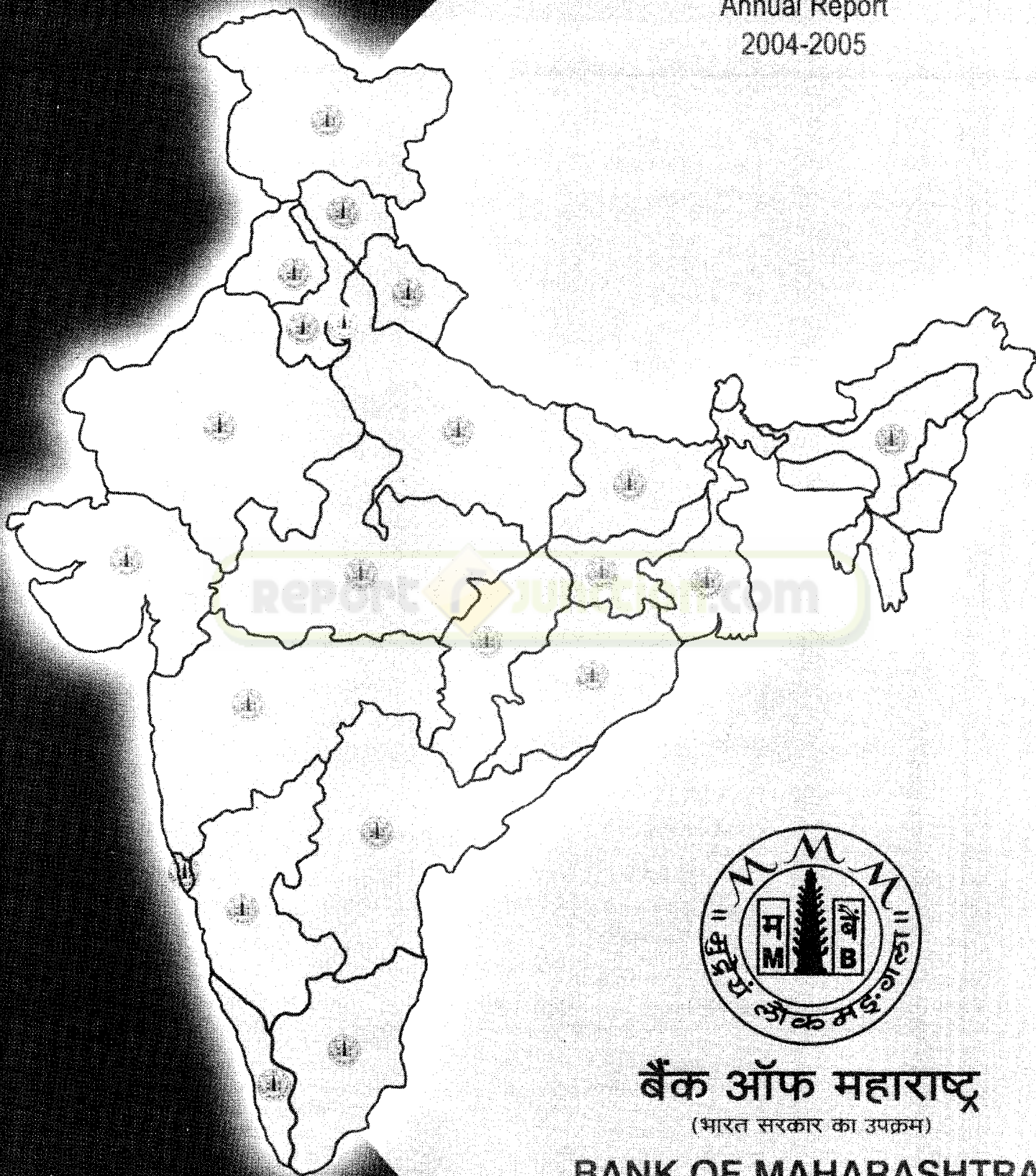


वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2004-2005



बैंक ऑफ महाराष्ट्र

(भारत सरकार का उपक्रम)

BANK OF MAHARASHTRA

(A Govt. of India Undertaking)

www.maharashtrabank.com

निदेशक मण्डल BOARD OF DIRECTORS

श्री एस.सी. बसु
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
Shri. S.C. Basu
Chairman & Managing Director

श्री पी.एन. देशपांडे
अधिकारी कर्मचारी निदेशक
Shri. P.N. Deshpande
Officer Employee Director

श्रीमती एल.एफ. पूनावाला
निदेशक
Mrs. L. F. Poonawalla
Director

श्री ज्ञान प्रकाश
निदेशक (04.12.2004 तक)
Shri.Gyan Prakash
Director (Upto 04.12.2004)

श्री ए.वी. दुगाडे
कार्यपालक निदेशक
Shri. A.V. Dugade
Executive Director

श्री डी.आर. तुळजापुरकर
कर्मकार कर्मचारी निदेशक
Shri. D.R. Tuljapurkar
Workman Employee Director

श्री एस.एस. देसाई
निदेशक (04.11.2004 तक)
Shri.S.S.Desai
Director (Upto 04.11.2004)

श्रीमती पी. कुमार
भा.रि.बैंक नामित निदेशक
(30.3.2005 तक)
Smt. P. Kumar
RBI Nominee Director
(Upto 30.03.2005)

श्री एस.सी. गर्ग
सरकार नामित निदेशक
Shri. S. C. Garg
Govt. Nominee Director

श्री ए.के. पंडित
निदेशक
Shri. A.K. Pandit
Director

श्री एस.के. वशिष्ठ
निदेशक (11.11.2004 तक)
Shri.S.K. Vashisht
Director (Upto 11.11.2004)

श्री एच आर खान
भा.रि.बैं. नामित निदेशक
Shri. H.R. Khan
RBI Nominee Director

श्री एस.सी. भार्गव
निदेशक
(भारतीय जीवन बिमा निगम के प्रतिनिधि)
Shri. S.C. Bhargava
Director
(Representing L.I.C. of India)

डॉ. बी.एम. भंडारी
निदेशक (25.11.2004 तक)
Dr. B.M. Bhandary
Director (Upto 25.11.2004)

श्री के.एस. ओबेरॉय
निदेशक
Shri. K.S. Oberoi
Director

श्री ए.एल. पाटील
निदेशक
Shri. A.L. Patil
Director

प्रो. जी.डी. शर्मा
निदेशक (25.11.04 तक)
Prof. G.D. Sharma
Director (Upto 25.11.2004)



बैंक ऑफ महाराष्ट्र

प्रधान कार्यालय
लोकमंगल, 1501, शिवाजीनगर, पुणे-411005

BANK OF MAHARASHTRA

Head Office :

"Lokmangal", 1501, Shivajinagar, Pune 411005

फोन Phone : (020) 25511360 / फेक्स Fax : (020) 25513122

शुल्क रहित Toll Free : 1600214525

ई-मेल E-mail : compsc@mahabank.co.in

रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट

मे. एम. सी. एस. लि.

यूनिट : बैंक ऑफ महाराष्ट्र

'श्री व्यंकटेश भवन', प्लॉट नं. 27, रोड नं. 11

एम आय डी सी, अंधेरी पूर्व, मुंबई 400 093

Registrar and Transfer Agents

M/s MCS Ltd.

Unit : Bank of Maharashtra

'Shri Venkatesh Bhavan', Plot No. 27, Road No. 11,

MIDC Area, Andheri East, Mumbai - 400 093

फोन Phone : (022) 28215235 / फेक्स Fax : (022) 28350456

ई-मेल E-mail : mcsmum@vsnl.com

सांविधिक लेखा परीक्षक STATUTORY AUDITORS

मेसर्स जेसीआर एण्ड कं.
मुंबई
M/s. JCR & Co.
Mumbai
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants

मेसर्स जोध जोशी एण्ड कं.
नागपुर
M/s. Jodh Joshi & Co.
Nagpur
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants

मेसर्स जगदीशचंद एण्ड कं.
नई दिल्ली
M/s. Jagdishchand & Co.
New Delhi
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants

मेसर्स एम. मित्तल एण्ड अग्रवाल
नई दिल्ली
M/s. M. Mittal & Aggarwal
New Delhi
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants

मेसर्स एस. घोष एण्ड कं.
कोलकत्ता
M/s. S. Ghosh & Co.
Kolkatta
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants

मेसर्स एस.के. मेहता एण्ड कं.
नई दिल्ली
M/s. S.K. Mehta & Co.
New Delhi
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants

महाप्रबंधक GENERAL MANAGERS

श्री के. पार्थसारथी
Shri. K. Parthasarathy

श्री आर. डी. वेलणकर
Shri. R. D. Velankar

श्री एम. ए. सरदेसाई
Shri. M. A. Sardesai

श्री एम पी काळे
Shri. M. P. Kale

श्री वी वी करंदीकर
Shri. V. V. Karandikar

श्रीमती एस. ए. पानसे
Smt. S. A. Panse

श्री ए. के. भूमकर
(31-10-2004 तक)
Shri. A. K. Bhoomkar
(Upto 31-10-2004)

श्री ए. एस. बनर्जी
Shri. A. S. Banerjee

श्री एस. मोहंती
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri. S. Mohanty
Chief Vigilance Officer

श्री एस. आर. जोशी
Shri. S. R. Joshi

श्री बी. के. पिपरैया
Shri. B. K. Piparaiya

क्र. / No	विषय सूची	CONTENTS	पृष्ठ क्र./Page No.
1.	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का व्यक्तव्य	Chairman & Managing Director's Statement	2
2.	सूचना	Notice	3
3.	निदेशकों की रिपोर्ट	Directors Report	-
	प्रबंध चर्चा और विश्लेषण	Management Discussion and Analysis	5
	बैंक का वित्तीय कार्य निष्पादन	Financial Performance of the Bank	8
	संगठन और मानव संसाधन विकास	Organisation and HRD	10
	समर्थन सेवाएं	Support Services	14
	सामाजिक बैंकिंग	Social Banking	15
	बैंक की महत्वपूर्ण योजनाएं / परियोजनाएं	Important schemes / projects of the Bank	17
	सहायक कंपनियां, संयुक्त उद्यम	Subsidiaries, Joint Ventures and	
	और प्रायोजित संस्थान	Sponsored Institutions	20
	राजभाषा का कार्यान्वयन	Official Language Implementation	21
	निरीक्षण, लेखा परीक्षा और सतर्कता	Inspection, Audit and vigilance	21
	निदेशक मंडल में परिवर्तन	Changes In Board of Directors	22
4.	31/3/05 को राज्यवार/क्षेत्रवार शाखाओं की संख्या	Statewise/Areawise Number of Branches as on 31/3/05	23
5.	प्राथमिकता क्षेत्र के अग्रिमों की तुलनात्मक स्थिति	Comparative Position on Priority Sector Advances	24
6.	कॉर्पोरेट गवर्नन्स पर टिप्पणी	Note on Corporate Governance	26
7.	तुलनपत्र	Balance Sheet	40
8.	लाभ हानि खाता	Profit & Loss account	41
9.	महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	Significant Accounting Policies	49
10.	लेखों पर टिप्पणियाँ	Notes on Accounts	53
11.	नकदी प्रवाह विवरण	Cash Flow Statement	62
12.	भारत के राष्ट्रपति की सेवा में लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	Auditors Report to the President of India	64
13.	बैंक के समेकित वित्तीय विवरण	Consolidated Financial Statement of the Bank	66
14.	महाराष्ट्र एक्जिक्यूटिव एंड ट्रस्टी कं. प्रा. लि.	Annual Report : The Maharashtra Executor & Trustee Co. Pvt. Ltd.	90
15.	इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा सुविधा	Electronic Clearing Service (ECS Form)	109
16.	प्रॉक्सी फार्म	Proxy Form	110
17.	उपस्थिति पर्ची	Attendance Slip	112

अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

CHAIRMAN AND MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

प्रिय शेयरधारक,

आपके अबाध समर्थन तथा संरक्षण और बैंक के मामले में सतत आधार पर ली जा रही रुचि के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूँ। मुझे आपको 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण और वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए हर्ष है।

वर्ष 2004-2005 के दौरान बैंक ने रु.177.12 करोड़ का निवल लाभ कमाया है। अधिकारियों व अवार्ड स्टाफ के लिए वेतन संशोधन व निवेशों पर मूल्यहास हेतु किए गए प्रावधान के कारण पिछले वर्ष के लाभ रु.304.55 करोड़ की तुलना में इस वर्ष लाभ कम है। यह प्रावधान केवल एक समय का भार है और यदि यह प्रावधान नहीं होते तो वर्ष 2004-2005 का लाभ बहुत अधिक होता।

आपके निदेशक मंडल ने 31.03.2005 को समाप्त वर्ष के लिए 14% का लाभांश इक्विटी शेयरों पर घोषित किया है।

अब मैं 31.3.05 को समाप्त वर्ष के उल्लेखनीय कार्यनिष्पादन के संबंध में आपको जानकारी देना चाहता हूँ जो इस प्रकार है -

1. बैंक ने वर्ष के दौरान 14 नई शाखाएं और 2 उपशाखाएं खोली तथा एक उपशाखा को पूर्ण शाखा में परिवर्तित किया,
2. बैंक का कुल कारोबार रु.41900 करोड़ से अधिक रहा। प्रति कर्मचारी औसत कारोबार रु.2.95 करोड़ रहा,
3. समग्र जम्हाराशियों में कम लागत वाली जम्हाराशियों का हिस्सा 33.19% है,
4. बैंक ने 12.68% का पूंजी पर्याप्तता अनुपात हासिल किया,
5. सकल अग्रिमों से सकल अनर्जक अग्रिमों का प्रतिशत कम हो कर 7% हो गया,
6. निवल अग्रिमों से निवल अनर्जक अग्रिमों का प्रतिशत कम हो कर 2.15% हो गया,
7. बैंक के कुल कारोबार का 97.68% कम्प्यूटरों पर संकलित कर लिया गया है,
8. बैंक ने रिअल टाइम ग्राँस सेटलमेंट योजना में सहभाग ले लिया है,
9. प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम निवल ऋण के न्यूनतम निर्धारित स्तर 40% से कहीं अधिक रहे,
10. बैंक ने सामाजिक बैंकिंग के अंतर्गत ऋण देने में सक्रिय सहभाग लिया,
11. बैंक ने महाराष्ट्र राज्य के छह जिलों में अग्रणीय बैंक और महाराष्ट्र राज्य की राज्य स्तरीय बैंकर समिति के समन्वयक की भूमिका सक्रिय रूप से निभाई,
12. आयात निर्यात बैंक द्वारा प्रवर्तित विश्वव्यापी उपस्थिति वाली गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी ग्लोबल ट्रेड फायनान्स प्रा. लिमिटेड की इक्विटी पूंजी का 9% हिस्सा बैंक ने लिया।

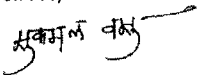
बैंक के शेयरों का मुंबई स्टॉक एक्सचेंज और भारतीय राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज लि. में सक्रिय कारोबार हुआ। बैंक ने टीआर II पूंजी को बढ़ाने के लिए रु.167.50 करोड़ के गौण बॉण्ड जारी किए। 31.03.2005 को बैंक की पूंजी की स्थिति सुविधाजनक थी और बेसल II के प्रस्तावित मानदण्डों के अंतर्गत भी आवश्यक स्तर से ऊपर थी।

बैंक ने पहले ही 5.08% की निवेश मूल्यों में उतार चढ़ाव प्रारक्षित निधि का गठन किया है, जो अग्रिम रूप से गठित हुई है और 31.03.2006 को अपेक्षित 5% के स्तर से अधिक है।

बैंक ने प्रमुख गतिविधियों के अंतर्गत कार्य योजना बनाई है और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा हितधारकों के मूल्यों में वृद्धि हेतु आवश्यक कदम उठाए हैं।

आदर सहित,

आपका,



(एस.सी. बसु)

Dear Shareholders,

I acknowledge your unstinting support and patronage and continued interest in the affairs of the Bank and have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank together with audited financial statements for the year ended 31st March 2005.

Your Bank has posted net profit of Rs. 177.12 crore for the year 2004-05. The Profits are lower as compared with that of the previous year's Rs. 304.55 crore mainly due to full provision made for arrears of salary to officers and award staff and depreciation on investments. The net profit of the Bank would have been higher but for these extra-ordinary one time burden.

I am happy to inform you that despite decline in the net profit, your Board of Directors have declared a dividend of 14% for the year-ended 31.3.2005.

I now wish to share with you the salient features of Bank's performance during the year ended 31st March 2005.

1. 14 new branches and 2 extension counters opened and 1 extension counter upgraded into a full fledged branch,
2. Total business increased to more than Rs. 41,900 crore and business per employee was Rs. 2.95 crore,
3. Share of low cost deposits in aggregate deposits increased to 33.19%,
4. Achieved capital adequacy ratio of 12.68%,
5. The ratio of gross non performing advances to gross advances declined to 7%,
6. The level of net non performing advances to net advances further declined to 2.15%,
7. 97.68% of business of the Bank is computer based,
8. Joined Real Time Gross Settlement (RTGS) Scheme,
9. Advances to priority sectors were above the minimum stipulated level of 40% of net credit,
10. Actively participated in all lending programmes under social banking,
11. Effectively handled the work of Convenor, State Level Bankers' Committee for Maharashtra State and lead bank responsibility in 6 districts,
12. Acquired 9% equity stake in Global Trade Finance Pvt Ltd, a non-banking finance company promoted by EXIM Bank with a global presence.

Equity shares of the Bank are actively traded in the Stock Exchange, Mumbai (BSE) and National Stock Exchange of India Ltd (NSE). The Bank has issued subordinated bonds of Rs. 167.50 crore to expand its capital base under Tier II capital. As on 31.3.2005, the Bank has a comfortable position of capital funds, which is above the required level even under the proposed norms of BASEL II.

The Bank has already created an Investment Fluctuation Reserve (IFR) of 5.08%, which is well in advance, and above the level of 5% required as on 31.3.2006.

The Bank has drawn action plans under major activities and has initiated measures to achieve the set targets and to enhance the value of its stakeholders.

With warm regards,

Yours sincerely,



(S.C.Basu)

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

प्रधान कार्यालय : 'लोकमंगल', 1501, शिवाजीनगर, पुणे 411 005

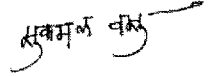
नोटिस

एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयरधारकों की द्वितीय साधारण आम सभा दिनांक 29 जून, 2005 को सुबह 10.00 बजे, यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह, कोथरुड, पुणे - 411 029 में निम्नलिखित कार्य संव्यवहार संपन्न करने हेतु होगी.

31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के तुलनपत्र और उसी दिनांक के लाभ-हानि खाते, बैंक के लेखों और लेखा परीक्षा की अवधि के दौरान बैंक की गतिविधियों तथा कार्यनिष्पादन पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट पर चर्चा करना.

स्थान : पुणे

दिनांक : 18 मई, 2005



(सुकमलचन्द्र बसु)

अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

टिप्पणियां :

1. प्रॉक्सी की नियुक्ति

बैंक में उपस्थित रहकर वोट डालने के पात्र शेयरधारकों को बैंक में भाग लेने और वोट डालने के लिए अपने स्थान पर प्रॉक्सी की नियुक्ति करने का अधिकार है. ऐसा प्रॉक्सी व्यक्ति बैंक का शेयरधारक होना आवश्यक नहीं है. प्रॉक्सी फार्म में विनिर्दिष्ट स्थान पर प्रॉक्सी प्रभावित करने के लिए प्रॉक्सी फार्म साधारण वार्षिक आम सभा की दिनांक से चार दिन पूर्व अर्थात् शुक्रवार 24 जून, 2005 को या उससे पहले कार्यालय समय की समाप्ति तक या उससे पूर्व जमा किया जाना आवश्यक है.

2. प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति

कोई भी व्यक्ति बैंक के शेयरधारकों की किसी भी बैठक में तब तक भाग लेने के लिए पात्र नहीं हो सकता या वोट नहीं दे सकता जब तक कि उसे किसी कंपनी या निगम निकाय जो बैंक के शेयरधारक हो, के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करते हुए पारित संकल्प की प्रति, जो कि उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित और अधिप्रमाणित सत्यप्रति है जिसमें प्रतिनिधि की नियुक्ति का संकल्प पारित है, बैंक के प्रधान कार्यालय में बैठक की नियत तिथि से चार दिन पूर्व अर्थात् शुक्रवार 24 जून, 2005 को या उससे पहले कार्यालय समय की समाप्ति तक या उससे पूर्व जमा नहीं की जाती.

3. उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों / प्रॉक्सीधारकों / प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र में दिए गए स्थान पर हस्ताक्षर कर यह पर्ची आम सभा के स्थान पर देने की कृपा करें. प्रॉक्सी / शेयरधारकों के प्राधिकृत प्रतिनिधि यथाप्रसंग उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र पर उल्लेख करें कि प्रॉक्सी या प्रतिनिधि.

4. बहियों का बंद होना

बैंक के शेयरधारकों का रजिस्टर तथा शेयर अंतरण रजिस्टर शुक्रवार, 24 जून, 2005 से बुधवार 29 जून, 2005 (दोनों दिन मिलाकर) तक वार्षिक आम सभा और लाभांश भुगतान की पात्रता का निर्धारण करने के लिए बंद रहेंगे.

5. लाभांश का भुगतान

निदेशक मंडल द्वारा घोषित लाभांश का भुगतान भौतिक रूप से शेयर धारण करने वाले उन शेयरधारकों को किया जाएगा, जिनके नाम दिनांक 29.06.2005 को शेयरधारकों के रजिस्टर में लिखे होंगे और ही-मेट प्रारूप में शेयर धारण करने वाले हितधारकों को डिपॉजिटरी द्वारा उपलब्ध की गई दिनांक 23 जून, 2005 की सूची के अनुसार लाभांश का भुगतान किया जाएगा और वार्षिक आम सभा की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर लाभांश वारंट डाक द्वारा भेज दिए जाएंगे.

6. अंतरण

अंतरण विलेख के साथ शेयर प्रमाणपत्र को अंतरण के लिए नीचे दिए गए पते पर रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट को भेजा जाए.

7. लाभांश के लिए अधिदेश या इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा

लाभांश के भुगतान के संबंध में बैंक इलेक्ट्रॉनिक और भौतिक प्रारूप में शेयर धारण करने वाले सभी शेयरधारकों को निम्नलिखित शहरों में इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा उपलब्ध करता है :

अहमदाबाद, बैंगलूर, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चैन्नै, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, कोलकता, मुंबई, पुणे, नागपुर और तिरुवनन्तपुरम.

इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक शेयरधारक इस रिपोर्ट के साथ संलग्न प्राहप में बैंक को अपनी मैनडेट के साथ अपना प्राधिकार दे सकते हैं. वर्ष 2004-2005 के लिए लाभांश का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा के माध्यम से करने के अनुरोध एमसीएस लि. को भी नीचे अनुच्छेद 8 में दिए गए पते पर दिनांक 17.06.2005 से पूर्व प्रस्तुत किए जाने चाहिए.

इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में शेयर धारण करने वाले शेयरधारक कृपया नोट करें कि संबंधित डिपॉजिटरीज द्वारा उपलब्ध किए गए उनके बैंक खातों के विवरण इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा के माध्यम से लाभांश देने / लाभांश वारंट भेजने हेतु उपयोग में लाए जाएंगे. अपने बैंक खातों के विवरण में परिवर्तन कराने के इच्छुक शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपनी डिपॉजिटरी पार्टिसिपन्ट्स को बैंक खातों का पूर्ण विवरण देते हुए परिवर्तन करने का अनुरोध 20 जून, 2005 को या उससे पूर्व करें.

8. पते में परिवर्तन

शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने पते में परिवर्तन की सूचना, यदि कोई है, तो निम्नलिखित पते पर शेयर अंतरण एजेंट / रजिस्ट्रार को भेजें :

मे. एमसीएस लि.

(कक्ष : बैंक ऑफ महाराष्ट्र)

'श्री वेंकटेश भवन', प्लॉट नं. 27, रस्ता क्र. 11, एमआईडीसी एरिया, अंधेरी पूर्व, मुंबई 400 093

डीमटेरिअलाइज प्रारूप में शेयर धारण करने वाले शेयर धारकों से अनुरोध है कि वे अपने पंजीकृत पते में परिवर्तन यदि कोई है तो उसकी सूचना सीधे अपने डिपॉजिटरी सहभागी को दें, क्योंकि लाभांश वारंट (इसीएस मामलों को छोड़कर) डिमेट खातों में पंजीकृत पतों पर डाक से भेजे जाएंगे.

9. शेयरधारक / प्रॉक्सीधारक / प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति वार्षिक आम सभा में अपने साथ लाएं.

10. बैंक के खातों के संबंध में अधिक जानकारी के इच्छुक शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे बैंक के केन्द्रीय कार्यालय में स्थित शेयर विभाग को इस आशय का लिखित अनुरोध इस प्रकार भेजें कि वह वार्षिक आम सभा की दिनांक से एक सप्ताह पूर्व उन्हें मिल जाए ताकि प्रबंधन सूचनाएं तैयार रख सकें. शेयरधारक नोट करें कि सूचनाएं / स्पष्टीकरण केवल वार्षिक आम सभा में ही उपलब्ध किए जाएंगे.

11. शेयरधारक कृपया नोट करें कि वार्षिक आम सभा में कोई भेंट / कूपन्स वितरित नहीं किए जाएंगे.

BANK OF MAHARASHTRA**'Lokmangal', 1501, Shivaji Nagar, Pune: 411 005****NOTICE**

NOTICE is hereby given that the Second Annual General Meeting of the Shareholders of Bank of Maharashtra will be held on Wednesday the 29th June 2005 at 10.00 a.m. at Yashwantrao Chavan Natya Griha, Kothrud Pune 411 029 to transact the following business:

To discuss the Balance Sheet as at 31st March 2005 and the Profit and Loss Account for the year ended on that date, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts.

Place: Pune

Date: 18th May 2005


(S.C.BASU)

Chairman & Managing Director.

NOTES:**1. APPOINTMENT OF PROXY**

A SHAREHOLDER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF / HERSELF AND SUCH PROXY NEED NOT BE A SHAREHOLDER OF THE BANK. The Proxy form, in order to be effective, must be received at the place specified in the Proxy form not less than Four days before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before the closure hours of the Bank on Friday the 24th June 2005.

2. APPOINTMENT OF AUTHORISED REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend to vote at the Annual General Meeting as a duly authorised representative of any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him / her as a duly authorised representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank not less than Four days before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before the closure hours of the Bank on Friday the 24th June 2005.

3. ATTENDANCE SLIP CUM ENTRY PASS

For the convenience of the shareholders, Attendance slip-cum-Entry pass is annexed to this Report. Shareholders / Proxy holders / Authorised Representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the Attendance slip-cum- entry pass at the venue. Proxy / Authorised Representative of a shareholder should state on Attendance slip – cum – Entry pass “Proxy” or “Representative” as the case may be.

4. BOOK CLOSURE

The Register of Shareholders and the Share Transfer Register of the Bank will remain closed from Friday, 24th June 2005 to Wednesday, the 29th June 2005 (both days inclusive), for the purpose of Annual General Meeting and for ascertaining the entitlement for payment of dividend.

5. PAYMENT OF DIVIDEND

Payment of dividend to shareholders as declared by the Board of Directors shall be paid to those shareholders holding shares in physical form, whose names appear on the Register of Shareholders of the Bank as on 29th June 2005 and in respect of shareholders holding shares in dematerialised form, the dividend will be paid on the basis of beneficial ownership as per the list provided to the Bank by the Depositories as on 23rd June 2005 and the dividend warrants shall be mailed / credited within 30 days from the date of Annual General Meeting

6. TRANSFERS

Share certificates along with transfer deeds should be forwarded to the Registrar and Transfer Agent at the address given below, for transfer of shares of the Bank.

7. BANK MANDATE FOR DIVIDEND or ELECTRONIC CLEARING SERVICE (ECS)

With respect to payment of dividend, the Bank provides the facility of ECS to all shareholders of the Bank, having their bank accounts in any of the following cities:

Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneshwar, Chandigarh, Chennai, Delhi, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Kolkata, Mumbai, Pune, Nagpur and Thiruvananthapuram.

Shareholders holding their shares in physical form, who wish to avail ECS facility may authorise the Bank with their ECS mandate in the prescribed form annexed to this Report. The request for payment of dividend through ECS for the year 2004-05 should be lodged with Registrar & Transfer Agent of the Bank viz. M/s. MCS Ltd at the address given in para 8 below on or before 17.6.2005.

Shareholders holding shares in electronic form may please note that their bank account details as furnished by the respective Depositories will be considered for sending dividend through ECS / dividend warrants. Shareholders who wish to change such bank account details are requested to advise their depository participants about such change with complete details of Bank Account on or before 20th June 2005.

8. CHANGE OF ADDRESS

Shareholders holding shares in physical form are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrar and share Transfer Agent of the Bank at the following address:

M/s. MCS Limited,
(Unit: Bank of Maharashtra), 'Sri Venkatesh Bhavan', Plot No. 27, Road No. 11, MIDC Area, Andheri East, Mumbai 400 093

Shareholders holding shares in dematerialised form are requested to intimate changes, if any, in their registered address directly to their depository participant(s), as dividend warrants (Other than ECS cases) will be despatched on the addresses as recorded in the respective Demat accounts.

9. Shareholders / Proxy holders / representatives are requested to bring their copies of Annual Report to the Annual General Meeting.

10. Shareholders who wish to seek any information on the Accounts are kindly requested to write to The Shares Department of the Bank at their Head Office, which should reach the Bank atleast one week before the date of the Annual General Meeting so as to enable the Management to keep the information ready. Shareholders may note that information/clarification shall be provided only at the Annual General Meeting.

11. Shareholders may kindly note that no gifts / coupons will be distributed at the Annual General Meeting.

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
'लोकमंगल', 1501, शिवाजीनगर, पुणे 411 005

निदेशकों की रिपोर्ट 2004-2005

निदेशक मंडल 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलना पत्र और लाभ तथा हानि खाते के साथ बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता है।

प्रबंध चर्चा और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

पिछले दो वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में हुई 8.5% और 4.00% की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2004-05 में सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 6.9% की वृद्धि हुई। यह वृद्धि विनिर्माण क्षेत्र में प्रमुखता के साथ औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन भारी मात्रा में होने के कारण हुई। औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि पिछले दो वर्षों में हुई 6.5% और 6.2% की वृद्धि की तुलना में 8.3% रही। विनिर्माण क्षेत्र ने बिजली, गैस और जल आपूर्ति क्षेत्र में प्रभाववात्मक वृद्धि के साथ 8.9% की वृद्धि का योगदान दिया। सेवा क्षेत्र में 8% से अधिक की प्रभावपूर्ण वृद्धि जारी रही किन्तु यह पिछले वर्ष की 8.9% की वृद्धि की तुलना में निर्माण उद्योग में मंदी के कारण इस वर्ष सीमान्त रूप से 8.6% पर कम रही। वर्ष 2004-05 में कृषि क्षेत्र में अत्यधिक मंदी रही। कृषि क्षेत्र में पिछले दो वर्ष के दौरान क्रमशः 9.6% और 2.4% की वृद्धि की तुलना में इस वर्ष मात्र 1.1% की वृद्धि दर्ज की गई। कृषि क्षेत्र में वैकल्पित वर्षों में वृद्धि के दर्शन को यह तथ्य सुदृढ़ करता है, जिसके अनुसार वैकल्पित वर्षों में अच्छी मानसून वर्षा के कारण कृषि उत्पादन प्रभावित होता है। इस वर्ष देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा कम हुई। उत्तर-पूर्वी मानसून औसत से कम रहा। परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन कम हुआ। इस वर्ष के कार्यनिष्पादन से यह बात सिद्ध हुई कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि अब पूर्ण रूप से कृषि पर आश्रित नहीं है।

मुद्रा स्फीति

थोक मूल्य सूचकांक (आधार 1993-94=100) में परिवर्तन में मापी गई अंक दर अंक आधार पर मुद्रास्फीति की वार्षिक दर गत वर्ष की 4.6 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2005 में 5.0 प्रतिशत रही।

अपर्याप्त और अनियमित दक्षिणी-पश्चिमी मानसून के परिणामस्वरूप खरीफ फसल को हुई क्षति के कारण आपूर्ति वर्ग ने मुद्रास्फीति परिदृश्य पर प्रभाव डाला। वर्ष के पूर्वार्ध में मुद्रा स्फीति में कुछ वृद्धि हुई किन्तु सुदृढ़ राजकोषीय उपायों के साथ मौद्रिक विनियामकों के नियमित और समय पर हस्तक्षेप के कारण वर्ष के उत्तरार्ध में मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रित रही।

थोक मूल्य सूचकांक में औसत आधार पर हुई वृद्धि के अंतर्गत मापी गई मुद्रा स्फीति की वार्षिक दर वर्ष 2004-2005 के दौरान गत वर्ष के 5.4 प्रतिशत की तुलना में 6.4 प्रतिशत पर उच्चतर रही। औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के अंतर्गत प्रतिबिंबित मुद्रास्फीति पिछले वर्ष की 3.5 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2004-2005 में 3.8 प्रतिशत पर उच्चतर रही।

राजकोषीय घाटा

बजट में उल्लेखित संशोधित अनुमानों के अनुसार वर्ष 2004-05 के लिए केन्द्र सरकार का राजकोषीय घाटा बजट में किए गए अनुमान रु. 1,39,231 करोड़ (सकल घरेलू उत्पाद का 4.5 प्रतिशत) की तुलना में रु. 1,37,407 करोड़ (सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत) रहने का अनुमान लगाया गया। कर और गैर-कर राजस्व में भी कमी आई।

इस वर्ष एक उल्लेखनीय बात यह रही कि केन्द्र सरकार के वित्त नकदी आधिक्य में रहे, संशोधित अनुमानों में केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त निवल बाजार उधारी रु. 45,953 करोड़ थीं।

मौद्रिक और बैंकिंग गतिविधियां

मुद्रा आपूर्ति

वर्ष 2004-05 के दौरान अंक दर अंक आधार पर मुद्रा आपूर्ति (एम₃) में वार्षिक वृद्धि गत वर्ष की 16.9 प्रतिशत की तुलना में 12.8 प्रतिशत की रही। घटकों में से अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की समग्र जमा राशियों की वृद्धि पिछले वर्ष के 17.0 प्रतिशत की तुलना में 12.7 प्रतिशत के स्तर पर कमतर रही। इसी प्रकार चलन में आम जनता के पास करेन्सी की मात्रा में कमी के कारण भी मुद्रा की आपूर्ति कम हो गई।

BANK OF MAHARASHTRA
'Lokmangal', 1501, Shivaji Nagar, Pune: 411 005

DIRECTORS' REPORT 2004-05

The Board of Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank together with the Audited Balance Sheet and Profit and Loss Account for the year ended 31st March 2005.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC ENVIRONMENT

The GDP growth in the year 2004-05 was 6.9 per cent as compared with 8.5 per cent and 4.0 per cent in the previous two years. The growth was attributed to recovery in the Industrial sector with special emphasis on the manufacturing sector. The industrial growth firmed up and grew at 8.3 percent as against 6.5 percent and 6.2 percent in the previous two years. The manufacturing sector contributed the most with a growth of 8.9 percent coupled by an impressive growth in the electricity, gas and water supply sectors. Services sector continued to impress with a growth above 8 percent, however it was marginally lower at 8.6 percent compared to 8.9 percent in the previous year, mainly on account of deceleration in construction industry. The agriculture sector was the worst sufferer in 2004-05. Agriculture grew at just 1.1 percent in comparison to 9.6 percent and 2.4 percent of previous two years. This strengthened the alternate year growth philosophy that food grain production was affected by alternate good monsoon showers. In 2004-05 the country experienced deficient south-west monsoon, below normal north-east monsoon, thereby resulting in poor growth in Agriculture. The performance raised an optimism that the growth of Indian economy was not solely dependent on agriculture.

Inflation

The annual rate of inflation on a point-to-point basis as measured by variations in the wholesale price index (base 1993-94 = 100) worked out to 5.0 per cent in 2005 as against 4.6 per cent a year ago.

The Supply side pressures dominated the inflation scenario exacerbated by the setback to the *Kharif* output from the uneven and inadequate South-West monsoon. The inflation spiked up in the first half of the year but the factor moderated out to some extent in the latter half due to the regular and timely monetary intervention along with strong fiscal measures.

The annual rate of inflation during 2004-05, as measured by increase in WPI on an average basis, was higher at 6.4 per cent as compared with 5.4 per cent in the previous year. Inflation as reflected in consumer price index (CPI) for industrial workers was higher at 3.8 per cent in 2004-05 as compared with 3.5 per cent in the previous year.

Fiscal Deficit

As per the revised estimates mentioned in the Budget, the fiscal deficit of the Central Government for 2004-05 was estimated at Rs. 1,39,231 crore (4.5 per cent of GDP) compared to the budget estimate of Rs. 1,37,407 crore (4.4 per cent of GDP). There was decline in tax as well as non-tax revenue.

A notable feature of this year's Central Government finances was the surplus cash position of the Government. The combined net market borrowing of the Centre and states was Rs. 45,953 crore as per the revised estimates.

MONETARY AND BANKING DEVELOPMENTS

Money Supply

During 2004-05, the annual growth in money supply (M₃) on a point-to-point basis was at 12.8 per cent compared to 16.9 per cent a year ago. Among the components, the growth in aggregate deposits of the scheduled commercial banks (SCBs) at 12.7 per cent was lower than that of 17.0 per cent in the previous year. Similarly, contraction in currency with the public also contributed for deceleration in money supply.

तरलता की स्थिति सुविधाजनक थी. भारतीय रिजर्व बैंक ने बाजार स्थिरकरण योजना (एम एम एस) और तरलता समायोजन सुविधा (एल ए एफ) के अन्तर्गत परिचालन किए. परिणामस्वरूप मुद्रा आपूर्ति 14.00% की अनुमानित सीमा में बनी रही.

निधियों का प्रवाह

वाणिज्यिक क्षेत्र को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से निधियों का कुल प्रवाह उच्चतर दिशा की ओर रहा, जो औद्योगिक क्षेत्र में विस्तृत आधार वाली सुदृढ़ वृद्धि की तरफ संकेत करता है. उच्चतर उगाही परिचालनों के कारण इस वर्ष खाद्यान्न ऋणों में भी वृद्धि हुई. वाणिज्यिक क्षेत्र को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से वृद्धिशील ऋण का प्रवाह 31.03.2004 के रु.1,21,494 करोड़ (13.5%) की तुलना में 31.03.2005 को रु.2,21,870 करोड़ (21.7%) का रहा.

केन्द्र के बजट किए गए प्रावधानों की तुलना में कम ऋण लेने के कारण वर्ष 2004-2005 के दौरान सरकार को ऋण के प्रवाह में 0.9% की मामूली वृद्धि हुई.

नगदी प्रारक्षित निधि अनुपात में दिनांक 18.9.2004 और 2.10.2004 को दो चरणों में 25 आधार अंकों की वृद्धि की गई.

पात्र नगदी प्रारक्षित निधि अनुपात अनुशेषों पर ब्याज दर को बैंक दर से असंबंध कर दिया गया और दिनांक 18.9.2005 से ब्याज दर 3.50% प्रति वर्ष निर्धारित की गई. भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 26.10.2004 से उलटे रिपो रेट में 25 आधार अंकों की वृद्धि कर इसे 4.75% तक पहुँचा दिया. वैश्विक परिदृश्य और बढ़ती ब्याज दरों के प्रतिसाद में ऐसा किया गया.

बैंकिंग प्रवृत्तियाँ

पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत में मीयादी जमाराशियों के ब्याज दर द्वाये में अप्रत्यक्षित गतिशीलता देखी गई है. सरकारी क्षेत्र के बैंकों की मीयादी जमाराशियों पर एक वर्ष की परिपक्वता अवधि के लिए मार्च 2004 में ब्याज दरें 3.75 से 5.25 प्रतिशत के मध्य थी, जो मार्च 2005 में 3.50 प्रतिशत से 6.00 प्रतिशत तक आ गई. 1 वर्ष से अधिक की परिपक्वता अवधि के लिए मीयादी जमाराशियों पर भी उक्त समान अवधि के दौरान ब्याज दरें 5.00 प्रतिशत - 5.75 प्रतिशत से परिवर्तित होकर 4.75 - 6.50 प्रतिशत तक आ गई.

बढ़ती हुई ब्याज दरों के अनुसरण में बैंकों ने अपने बेंचमार्क प्रमुख उधार दरों (बीपीएलआर) में 25-50 आधार अंकों की वृद्धि की.

बैंक जमाराशियाँ

वर्ष 2004-05 के दौरान सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की समग्र जमाराशियों में रु.2,06,679 करोड़ की वृद्धि हुई. मार्च 2005 के अंतिम शुक्रवार को सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाराशियाँ रु.1,70,861 करोड़ की थीं. गत वित्तीय वर्ष में हुई 17.3 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2004-05 के दौरान वृद्धि दर 13.76 प्रतिशत रही.

बैंक ऋण

18.03.2005 को बैंक ऋण रु.10,92,008 करोड़ के थे, जो वर्ष के दौरान हुई रु.2,56,626 करोड़ की वृद्धि को दर्शाते हैं. ऋण जमा अनुपात 63.91 प्रतिशत का रहा.

मार्च 2005 को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के ऋण में वृद्धि पिछले वर्ष की 15.17 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 30.72 प्रतिशत रही. वर्ष 2004-2005 के दौरान संरचनात्मक उद्योगों यथा सड़क, बंदरगाह, ऊर्जा और टेलिकम्युनिकेशन जैसे क्षेत्रों को भारी ऋण प्रवाह हुआ. कपास, कपड़ा, आभूषण, टेलिकम्युनिकेशन, निर्माण, लोहा और स्टील, अन्य धातुएं और धातु उत्पाद जैसे उद्योगों में उच्चतर वृद्धि के मुकाबले कोयला, ज्यूट, कपड़ा, पेपर और पेपर उत्पाद, इंजिनरिंग, शक्कर, तंबाकू, पेट्रोकेमिकल्स, खाद और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर जैसे उद्योगों को बैंक का ऋण प्रवाह कम रहा.

खाद्य ऋण

खाद्य ऋण में गत वर्ष के रु.13,518 करोड़ की कमी की तुलना में रु.5,160 करोड़ की वृद्धि वर्ष के दौरान हुई है. दिनांक 18.03.2005 को बकाया खाद्य ऋण रु.41,121 करोड़ था.

खाद्येतर ऋण

दिनांक 19.03.2004 के खाद्येतर ऋण रु.8,04,824 की तुलना में दिनांक 18.03.2005 को खाद्येतर ऋण रु.10,50,970 करोड़ के थे. पिछले वर्ष में खाद्येतर ऋणों में हुई 18.4 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2004-2005 के दौरान 30.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई. वर्ष के अंतिम भाग में ऋण प्रवाह में तेजी से विस्तार हुआ. आवास, औद्योगिक विनिर्माण, कपास, कपड़ा, आभूषण, टेलिकम्युनिकेशन, निर्माण, लोहा और स्टील, अन्य धातुएं, धातु उत्पाद और फुटकर क्षेत्र जैसे क्षेत्रों को खाद्येतर ऋण का प्रवाह अधिक रहा.

Liquidity position was comfortable. The Reserve Bank of India undertook operations under the Market Stabilisation Scheme (MSS) and the Liquidity Adjustment Facility (LAF). As a result the money supply remained well within the projected trajectory of 14.0 percent.

Flow of Funds

The total flow of funds from SCBs to the commercial sector moved in a upward direction signaling a broad based strengthening of the Industrial recovery. The food credit also increased during the year due to higher procurement operations. The flow of incremental credit from SCBs to the commercial sector as on 31.3.2005 was at Rs. 2,21,870 crore (21.7%) as against Rs.1,21,494 crore (13.5%) as on 31.3.2004.

The flow of credit to the Government increased by barely 0.9% during 2004-05 due to the lower off take than the budgeted figure of the Centre.

Cash Reserve Ratio (CRR) was increased in two stages of 25 basis points each w.e.f. 18.9.2004 and 2.10.2004. The interest rate on CRR balances eligible for interest was delinked from the Bank Rate and was stipulated at 3.5 per cent per annum w.e.f 18/09/2005.

The Reserve Bank of India increased Reverse REPO rate by 25 basis points to 4.75 percent w.e.f. 26.10.2004. This was in response to the global scenario of rising interest rates.

BANKING TRENDS

In the last couple of years, the overall interest rate structure for term deposits in India witnessed an unpredictable movement. The term deposit rates of public sector banks for maturities upto 1 year reached 3.50-6.00 percent in March 2005 compared to 3.75-5.25 per cent in March 2004. Interest rates on term deposits over one year have changed from a range of 5.00-5.75 per cent to 4.75-6.50 per cent during the same period.

In line with the rising interest rates, banks increased Benchmark Prime Lending Rates (BPLRs) by 25 - 50 basis points.

Bank Deposits

Aggregate deposits of SCBs increased by Rs. 2,06,679 crore during 2004-05 and stood at Rs.17,08,610 crore, as on the last Friday of March 2005. The growth rate was 13.76 percent during 2004-05 as compared with 17.3 percent recorded in the last fiscal.

Bank Credit

As on 18.3.2005, bank credit stood at Rs. 10,92,008 crore, reflecting a rise of Rs.2,56,626 crore during the year. The credit-deposit ratio stood at 63.91 per cent.

As of March 2005, growth in credit by SCBs increased by 30.72 per cent as against 15.17 per cent in the previous year. The year 2004-05 witnessed a substantial expansion in credit flow to the infrastructure industries like roads, ports, power and telecommunications. As against higher credit growth in industries like cotton, textile, gems and jewellery, telecommunication, construction, iron and steel, other metals and metal products, there was a decline in bank credit to the industries like coal, jute textiles, paper and paper products, engineering, sugar, tobacco, petrochemicals, fertilizer and computer software.

Food Credit

There is an increase in food credit during the year to the order of Rs.5,160, crore as against the fall of Rs.13,518 crore during the previous year. The outstanding food-credit was Rs. 41,121 crore as on 18.3.2005.

Non-food Credit

As on 18.3.2005, non-food credit stood at Rs. 10,50,970 crore as against Rs.8,04,824 crore as on 19.3.2004. The growth rate was 30.6 per cent during 2004-05 as against 18.4 percent during the previous year. Credit expansion was vigorous during the later part of the year and it was led by housing, industrial manufacturing, cotton, textile, gems and jewellery, telecommunication, construction, iron and steel, other metals, metal products and retail sectors.

निवेश

वर्ष 2005-2005 के दौरान बांडों / डिबेंचरों / शेयरों तथा वाणिज्यिक पत्रों इत्यादि में निवेश के रूप में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को दिए गए अप्रत्यक्ष ऋण में रु. 1,656 करोड़ की वृद्धि हुई। जबकि गत वर्ष में रु. 3,687 करोड़ की कमी आई थी।

सरकारी प्रतिभूतियों में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का निवेश 19 मार्च, 2004 के रु. 6,53,244 करोड़ की तुलना में दिनांक 18 मार्च, 2005 को रु. 7,17,791 करोड़ तक रहा। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर भी सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश गत वर्ष की 19.87% की तुलना में वर्ष के दौरान 9.00% से बढ़ा।

बैंकिंग प्रणाली अब भी अपनी निवल मांग और सावधि देयताओं के 40 प्रतिशत तक सरकारी प्रतिभूतियां धारण किए हुए हैं जबकि न्यूनतम सांविधिक आवश्यकता 25 प्रतिशत की है। वर्ष 2004-2005 के दौरान सरकारी प्रतिभूतियों में वृद्धिशील निवेश गत वर्ष की तुलना में कम होने के बावजूद भी ऐसा हुआ।

निवेश-जमा अनुपात 43.20% रहा।

बाह्य गतिविधियां

वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आरंभ में कच्चे तेल की कीमतों में हुई अभूतपूर्व वृद्धि के कारण विश्वव्यापी मुद्रा स्फीतिक दबाव महसूस किए गए। वैश्विक अर्थव्यवस्था सुविधाजनक गति से वृद्धि पथ पर अग्रसर रही। भारत तथा चीन जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में त्वरित विकास के कारण वृद्धि को समर्थन मिला। यद्यपि यूरो क्षेत्र में वसूली कम रही फिर भी वैश्विक आर्थिक स्थिति में सुधार मजबूत और विस्तृत हुए। वर्ष 2004 में विश्व उत्पादन में 5.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वर्ष 1976 के बाद प्राप्त की गई अधिकतम वृद्धि दर है।

विश्व व्यापार की मात्रा में वर्ष 2004 के दौरान 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

यद्यपि विश्व उत्पादन और व्यापार में अच्छी वृद्धि के संकेत मिले फिर भी वैश्विक तेल मूल्यों, प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मूल्यों और व्यापार चक्र में उतार-चढ़ाव के परिणाम स्वरूप उच्चतर मुद्रा स्फीति पैदा हुई। उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के लिए ब्याज दरों में अनिश्चितताएं और विदेशी मुद्रा बाजार का उतार-चढ़ाव प्रमुख चिंता का कारण बनी रही किन्तु सर्वोत्तम बात यह है कि कोरिया, भारत और चीन जैसे एशिया क्षेत्र के देशों से निर्यात विश्व व्यापार से तेज गति से बढ़ा।

वर्ष 2004-2005 के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए का मूल्य लगभग स्थिर रहा। जबकि येन के मुकाबले में भारतीय रुपए के मूल्य में वृद्धि हुई और यूरो और पौण्ड स्टर्लिंग के मुकाबले रुपए का मूल्य कम हुआ।

निर्यात

अमेरिकी डॉलर में मूल्यवर्गित भारत के निर्यात गत वर्ष की 17.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में इस वर्ष 27.1 प्रतिशत की दर से बढ़े। बुनियादी उत्पादों, कृषि पण्यों, इंजिनियरिंग माल, रसायन, जेम्स एण्ड ज्वेलरीज के निर्यात में वृद्धि के कारण उक्त उपलब्धि हासिल हुई। पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में 92.4% की बढ़ोतरी हुई। परंपरागत निर्यात की वस्तुएं जैसे कि हस्तकला-वस्तुओं के निर्यात में कमी होने के बावजूद भी निर्यात अच्छे रहें। भारतीय निर्यात की उल्लेखनीय बात यह रही कि निर्यात करने वाले देशों के अनुसार निर्यात अच्छे प्रकार विकेंद्रित थे।

आयात

वर्ष 2004-2005 के दौरान आयात में 36.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जबकि इसकी तुलना में गत वर्ष में वृद्धि 25.3 प्रतिशत की थी। तेल आयात में 44.6% की वृद्धि के कारण मुख्यतः ऐसा हुआ किन्तु मात्रात्मक रूप से वर्ष 2004-05 में तेल के आयात में 5.3 प्रतिशत तक कम वृद्धि हुई। गत वर्ष में हुई 28.8% की वृद्धि की तुलना में गैर तेल आयात के मूल्यों में 33.3% की वृद्धि हुई। औद्योगिक उत्पादों के आयात में 36.8% की वृद्धि हुई, जो औद्योगिक सक्रियता को प्रतिबिंबित करते हैं।

व्यापार घाटा

उच्चतर आयात और निम्नतर निर्यात के कारण पिछले वर्ष के 13.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर्स के व्यापार घाटे की तुलना में वर्ष 2004-2005 के दौरान भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 23.8 बिलियन यूएस डॉलर्स हो गया।

Investments

Indirect credit by SCBs to the commercial sector in the form of investments in shares, debentures, bonds, commercial paper etc. increased by Rs. 1,656 crore during 2004-05 against a decline of Rs. 3,687 crore in the previous year.

Investments by SCBs in government securities were at Rs. 7,17,791 crore as on 18th March 2005 as against Rs. 6,53,244 crore as on 19th March 2005. On year on year basis, investments in government securities grew by 9.00 per cent as against 19.87 per cent a year ago.

The banking system held government securities of over 40 per cent of its net demand and time liabilities as against the minimum statutory requirement of 25 per cent. This was despite the fact that the incremental investment in government securities during 2004-05 was lower than the previous year.

The investment-deposit ratio stood at 43.20 per cent.

EXTERNAL DEVELOPMENTS

The start of the financial year 2004-05 experienced the soaring crude oil prices exerting worldwide inflationary pressure. However, the World Economy continued to expand at a comfortable pace. The Growth was aided by the rapid expansion in emerging economies such as China and India. Though recovery in the Euro area was slow, the global economic recovery was broadened and strengthened. The world output increased by 5.1 percent in 2004, the highest growth achieved after 1976.

The volume of world trade recorded a growth of 10.2 percent during 2004.

Even as global output and trade showed positive growth, higher oil prices, volatility among major international currencies and trade cycle fluctuations resulted in higher inflation. Interest rate uncertainties and forex market fluctuations remained the major concern for emerging economies. The golden lining, however, was that the exports from the Asian region led by Korea, India and China grew faster than the world trade.

During the year 2004-05, Indian rupee remained more or less stable against U.S. dollar, appreciated against Yen while it depreciated against Euro and Pound Sterling.

Exports

India's exports in terms of US dollar have increased by 27.1 per cent as compared to last year's 17.1 per cent. It was driven by a sharp increase in exports of primary products, agricultural commodities, engineering goods, chemicals, gems and jewellery. Exports of petroleum products surged by 92.4 percent. The growth was strong despite the fact that exports of traditional commodities like handicrafts posted a decline. The exports were well diversified in terms of importing countries.

Imports

During the year 2004-05, the imports registered a rise of 36.4 per cent as compared to 25.3 per cent in the previous year. This was mainly due to a surge in oil imports by 44.6 percent. In volume terms, however, the oil import growth slowed down to 5.3 percent in 2004-05. The value of non oil imports increased by 33.3 percent during 2004-05 in comparison to a growth of 28.8 percent during last year. Import of industrial products grew by 36.8 percent indicating accelerated growth in the industrial activity.

Trade Deficit

India's trade deficit widened to US \$ 23.8 billion in 2004-05 as compared to US \$ 13.7 billion in the previous year due to higher imports and lower exports.

विदेशी मुद्रा भंडार

मार्च 2004 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 112.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था, जिसमें 28.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई और मार्च 2005 में यह भंडार बढ़कर 141.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हो गया।

भारतीय विदेशी भंडार निधि, जो 15 माह के आयातों के बराबर है, एशिया की अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक है। इसके साथ साथ भारत के अल्पावधि ऋण भी सुविधाजनक स्थिति में है। भारत में प्रारक्षित निधियों का स्तर समग्र बाह्य ऋणों की तुलना में उच्चतर है।

बैंक का वित्तीय कार्य निष्पादन

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में बैंक का कार्यनिष्पादन निम्नानुसार रहा,

पूंजी

वर्ष के दौरान बिना कोई परिवर्तन के दिनांक 31.03.2005 को बैंक की पूंजी रु. 430.52 करोड़ थी। 31.3.04 को बैंक की शुद्ध संपत्तियां रु.1396.17 करोड़ थी जिसकी तुलना में 31.03.2005 को बैंक की शुद्ध संपत्तियां बढ़कर रु.1,506.76 करोड़ की हो गईं।

बैंक का पूंजी से जोखिम भारित आस्ति अनुपात 9.00 प्रतिशत की न्यूनतम आवश्यकता की तुलना में 12.68 प्रतिशत रहा।

टायर II पूंजी के लिए गौण बांड

बैंक ने वर्ष के दौरान वार्षिक रूप से देय 7.10 प्रतिशत की स्थिर ब्याज दर पर रु.10.00 लाख के अंकित मूल्य वाले असुरक्षित प्रतिदेय अपरिवर्तनीय गौण बांड का विक्रय 63 निजी संस्थानों को किया और इसके माध्यम से रु.167.50 करोड़ का संग्रह किया।

लाभ

बैंक का परिचालनगत लाभ गत वर्ष के रु.676.49 करोड़ की तुलना में इस वर्ष रु.546.46 करोड़ का रहा। बैंक के निवल लाभ वर्ष 2003-2004 में रु.304.55 करोड़ का था, जो वर्ष 2004-2005 के दौरान घटकर रु.177.12 करोड़ का हो गया। बैंक के निवेशों को विक्रय के लिए उपलब्ध श्रेणी से परिपक्वता तक धारित श्रेणी में अंतरण के परिणामस्वरूप एक समय आधार पर हुए मूल्यह्रास के कारण किया गया रु.213.93 करोड़ का प्रावधान और वेतन संशोधन के कारण किया गया रु.105 करोड़ का प्रावधान निवल लाभ में कमी का मुख्य कारण था।

लाभांश

निदेशक मण्डल ने 31 मार्च 2005 को समाप्त वर्ष के लिए 14% का लाभांश घोषित किया है।

कारोबार वृद्धि

संसाधन / जमा संग्रहण

31.03.2005 को बैंक की कुल जमा राशियां रु.28,844.17 करोड़ की रहीं जबकि 31.03.2004 को यह रु.26,445.93 करोड़ की थी। इस प्रकार जमा राशियों में 9.08% की वृद्धि दर्ज की गई।

31.03.2005 को बैंक की समग्र जमा राशियां रु.28,628.54 करोड़ थीं जो 31.03.2004 की समग्र जमा राशियां रु.26,171.86 करोड़ पर 9.39 प्रतिशत वृद्धि दर्शाती हैं।

समग्र जमा राशियों में मांग जमा राशियों का शेयर गत वर्ष के 31.85 प्रतिशत की तुलना में 31.03.2005 को 33.19 प्रतिशत पर मामूली रूप से अधिक रहा। 31.03.2005 को मीयादी जमा राशियों का शेयर 66.81 प्रतिशत रहा।

पिछले वर्ष के रु.27,306.96 करोड़ की औसत कार्यशील निधियों की तुलना में वर्ष 2004-2005 के दौरान रु.31,984.28 करोड़ की औसत कार्यशील निधियां रहीं।

बैंक ने निवासी वरिष्ठ नागरिकों के लिए उच्च ब्याज दरें लागू कीं। वरिष्ठ नागरिकों को देय विभेदात्मक ब्याज दर सामान्य ब्याज दर से 1.00 प्रतिशत अधिक है।

ग्राहक संबंध प्रबंधन के भाग स्वरूप बैंक ने दिनांक 08.01.2005 से 07.02.2005 के दौरान ग्राहक संग्रहण माह मनाया वर्ष 2004-05 के दौरान बैंक ने अपने ग्राहक आधार में 50,000 नए ग्राहक जोड़े।

Forex Reserves

India's foreign exchange reserves increased by US \$ 28.6 billion, from a level of US \$ 112.9 billion as of March 2004, to US \$ 141.5 billion by end March 2005.

India's foreign exchange reserves, which are equivalent to 15 months of imports, are higher than those of other emerging economies of Asia. Along with it India's short-term debt is also at a comfortable position. The level of reserves in India is higher than the overall external debt.

FINANCIAL PERFORMANCE OF THE BANK

Bank's performance under various parameters during the year under report was as under:

Capital

The capital of the Bank stood at Rs 430.52 crore as on 31-03-2005 without any variation during the year. The net worth of Bank as on 31-03-2005 increased to Rs 1,506.76 crore as against Rs.1,396.17 crore as on 31.3.2004.

The Bank registered a capital to risk weighted asset ratio (CRAR) of 12.68 per cent as on 31.3.2005 against the minimum requirement of 9 per cent.

Subordinated Bonds for Tier II Capital

During the year, the Bank mobilised Rs. 167.50 crore through private placement for 63 months Unsecured Redeemable Non-Convertible Subordinate Bonds of the face value of Rs 10,00,000/- each for cash at par at a fixed rate of 7.10% per annum payable annually.

Profit

The operating profit for the year was at Rs.546.46 crore as against Rs.676.49 crore for the previous year. The net profit declined from Rs 304.55 crore for the year 2003-04 to Rs. 177.12 crore for the year 2004-05. The decline was mainly attributed to the one time depreciation on Bank's investment by Rs 213.93 crore on account of shifting of securities from 'Available for Sale' category to 'Held to Maturity' category and provision of Rs. 105 crore on account of wage revision.

Dividend

The Board of Directors have declared a dividend of 14% for the year ended 31st March 2005.

BUSINESS GROWTH

Resources / Deposit Mobilization

Total deposits of the Bank as of 31.3.2005 stood at Rs. 28,844.17 crore as against Rs.26,445.93 crore as of 31.3.2004 registering an increase of 9.08 per cent.

The aggregate deposits of the Bank as on 31.3.2005 were at Rs.28,628.54 crore showing a rise of 9.39 per cent over Rs. 26,171.86 crore as on 31.3.2004.

Share of demand deposits in aggregate deposits as at 31.3.2005 was marginally on higher side at 33.19 per cent as compared to 31.85 per cent as at 31.3.2004 The share of term deposits was 66.81 per cent as at 31.3.2005.

Average working funds during the year 2004-05 were at Rs. 31,984.28 crore as against Rs. 27,306.96 crore during the previous year.

The Bank offered higher rate of interest on term deposits to resident senior citizens. The differential rate of interest payable to senior citizens was one percent over and above the normal applicable rate of interest.

As a part of its efforts to increase the customer base, the Bank observed customer mobilization month during 8.1.2005 to 7.2.2005. The Bank added over 50,000 new customers during the year 2004-05.